दैनिक पत्रिका, भोपाल
2 NOV 2010

स्थापना दिवस पर सीएम से खास बातचीत

'विकसित हो नई कार्य संस्कृति'

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के मौके पर **मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान** का कहना है कि **'अपना मध्यप्रदेश'** की अवधारणा के पीछे कोई क्षेत्रीय संकीर्णता नहीं है, बल्कि यह लोगों में अपने प्रदेश की भावना जागृत करने का महायज्ञ है। मुख्यमंत्री ने यह भावना सोमवार को **'पत्रिका'** के स्टेट ब्यूरो चीफ **धनंजय प्रताप सिंह** से 'मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस' के संदर्भ में विशेष बातचीत में व्यक्त की। उनका यह भी कहना है कि अन्य राज्यों का गठन भाषायी आधार पर किया गया था, जबकि मध्यप्रदेश का निर्माण छोटे-छोटे राज्यों से मिलकर हुआ था। इस कारण प्रदेश को लेकर अपनेपन की भावना नहीं बन पाई। हमारी कोशिश है कि अब एक नई कार्य संस्कृति विकसित हो और लोगों को मध्यप्रदेश का निवासी होने पर गर्व की अनुभूति हो। सबको मिलकर प्रयास करने होंगे, तभी यह संभव हो पाएगा। प्रस्तुत है विस्तृत बातचीत के प्रमुख अंश:

1956 से लेकर अब तक के मुख्यमंत्रियों में विकास को लेकर जो सोच था, उसके बारे में आपका क्या कहना है? साथ ही राजनीतिक स्थिरता विकास के लिए कितनी आवश्यक है?

स्थिरता से विकास को गति मिलती है। यदि प्रदेश में राजनीतिक स्थिरता का माहौल है तो आप दीर्घकालीन योजना बना सकते हैं। यदि राजनीतिक उथलपुथल और अस्थिरता का माहौल रहेगा तो विकास प्रभावित होगा। मैं अपने पूर्व के मुख्यमंत्रियों के विकास के सोच के बारे में कुछ नहीं कहूंगा, क्योंकि मैं किसी से तुलना करना ठीक नहीं समझता।

क्या आपको लगता है कि छग के अलग होने से मध्यप्रदेश को नुकसान हुआ है? हां, तो किन क्षेत्रों में?

छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से भरपूर है। साथ ही वह हमारा छोटा भाई भी है। यह सही है कि छग के अलग होने से मध्यप्रदेश को बिजली, कोयला व अन्य खनिजों के रूप में नुकसान हुआ है, लेकिन अब मप्र इससे उबर कर पटरी पर आ रहा है। विकसित हो @ पेज 4

स्थापना दिवस पर संकल्प के दीप

प्रदेश के स्थापना दिवस पर भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर दीप जलाते मुख्यमंत्री व अन्य। खबर पेज 8 पर

पेंशनभोगियों को सौगात

ब्यूरो. भोपाल. राज्य शासन ने नगरीय प्रशासन विभाग के पेंशनभोगियों को छठा वेतनमान देने के आदेश सोमवार को जारी कर दिए। इससे प्रदेश के 13,000 पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे।

पेज 1 के शेष

विकसित हो...

प्रश्न–सरकार के कुछ निर्णयों को देखकर ऐसा लग रहा है कि प्रदेश में कल्याणकारी राज्य की अवधारणा प्रभावित हो रही है?

जवाब-ऐसा बिलकुल नहीं है, क्योंकि पिछले छह सात साल में जितने भी कार्य किए गए हैं, वे सब कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को मजबूती प्रदान करते हैं। मेरी सरकार कल्याणकारी राज्य स्थापित करने को लेकर कटिबद्ध है।

प्रश्न–निवेश को लेकर आपको क्या संभावनाएं दिख रही हैं?

जवाब-मुझे लगता है कि बहुत सकारात्मक परिणाम आएंगे और जो एमओयू हुए हैं, वे सब धरती पर उतरेंगे। निवेशकों ने हम पर पूरा भरोसा जताया है। इसलिए हम आशान्वित हैं कि प्रदेश में विकास की नई इबारत लिखेंगे।

प्रश्न–प्रशासनिक कसावट को लेकर आपका क्या कहना है?

जवाब-प्रदेश में फिलहाल कसा हुआ प्रशासन है। यदि मैं कहीं व किसी भी स्तर पर ढिलाई देखता हूं तो तुरंत उसे दुरुस्त करने का प्रयास किया जाता है। इसी दिशा में हमने लोक सेवा गारंटी प्रदाय कानून को अमली जामा पहनाया है।

इस दिवाली...

शुक्रवार के दिन दिवाली का होना व्यापारी और किसान दोनों के लिए काफी शुभ माना जाता है।

बरसेगा ऐश्वर्य : पं. विष्णु राजौरिया के अनुसार शुक्रवार का दिन, स्वाति नक्षत्र, आयुष्मान योग और कार्तिक कृष्ण अमावस्या का सुखद संयोग वर्षों बाद दिवाली पर बन रहा है। शुक्रवार और स्वाति नक्षत्र का संयोग होने से इस बार लक्ष्मी पूजन से सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य की वृद्धि होगी। शुक्र ऐश्वर्य प्रदाता ग्रह है, और स्वाति नक्षत्र लक्ष्य सिद्धि और समृद्धि प्रदान करता है। इसी प्रकार आयुष्यमान योग आयुष्य और आरोग्य का प्रदान करता है। ऐसे शुभ योगों के बीच महालक्ष्मी, इंद्र और कुबेर का पूजन धन की वर्षा करेगा।